आठ वर्षों में दोगुणा हो गया उत्तर प्रदेश का निर्यात

मनोज त्रिपाठी ● जागरण

लखनऊ: निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की नीतियों का असर दिखाई देने लगा है। बीते आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश से निर्यात दोगुणा हुआ है। निर्यात को और बढ़ावा देने के लिए सरकार नई निर्यात नीति को लागू करने की तैयारी कर रही है जिसमें निर्यातकों को उत्पादों के प्रमाणन पर 25 लाख रुपये तक की छूट देने सहित कई अन्य सुविधाएं देने का प्रविधान किया है। सरकार की कोशिश है कि वर्ष 2030 तक प्रदेश से निर्यात को तीन गुणा तक बढ़ाया जाए।

उत्तर प्रदेश से वर्तमान में 100 से ज्यादा उत्पादों का निर्यात विभिन्न देशों को किया जाता है। डग्र निर्यात संवर्धन ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017-18 में प्रदेश से 88,967.42 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था, जो आठ वर्षों में बढ़कर 1,70,340.25 करोड़ रुपये हो गया है। सर्वाधिक निर्यात अमेरिका, यूएई, नेपाल, यूके, जर्मनी, वियतनाम, चीन, फ्रांस, स्पेन व रूस को किया जा रहा है। प्रदेश से निर्यात किए जाने वाले टाप 10 उत्पादों में इलेक्ट्रिकल मशीनरी उपकरण व पाट्र्स के निर्यात में काफी बढ़ोतरी हुई है।

100 से अधिक उत्पादों का किया जा रहा है निर्यात उत्तर प्रदेश से

88,967.42
करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था 2017-18 में प्रदेश से

1,70,340.25
करोड़ रुपये बढ़कर हो गया आठ वर्षों में यह निर्यात

सरकार वर्ष 2030 तक निर्यात को पांच लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। नई निर्यात नीति में निर्यातकों को पूंजीगत सब्सिडी व कई प्रकार की छूट देने का प्रविधान किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न राज्यों की निर्यात नीतियों का गहन अध्ययन किया गया है।

नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, औद्योगिक विकास मंत्री

वर्ष 2017-18 में इलेक्ट्रिकल उत्पादों का निर्यात 4056.38 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2023-24 तक बढ़कर 38756.58 करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार मीट का निर्यात 14737.85 करोड़ रुपये से बढ़कर 18505.29 करोड़ रुपये हो गया है। कपड़ों व अपैरल उत्पादों का निर्यात 9114.30 करोड़ रुपये से बढ़कर 14053.62 करोड़ रुपये हो गया है।

न्यूक्लियर रियेक्टर व उससे संबंधित मशीनों का निर्यात भी 3725.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 7297.03 करोड़ रुपये, फुटवियर व इससे संबंधित वस्तुओं का निर्यात 5616.86 करोड़ रुपये से बढ़कर 7148.27 करोड़ रुपये हो गया है।

वहीं मोती व अन्य प्रकार के रत्नों का निर्यात 4890.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 6727.13 करोड़ रुपये, लोहे व स्टील का निर्यात 3855.69 करोड़ रुपये से बढ़कर 5667.70 करोड़ रुपये हो गया है। कालीन के निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2017-18 में कालीन का निर्यात 4048.12 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 5516.06 करोड़ रुपये हो गया है।

व्हीकल और उसके पाट्र्स का निर्यात भी 3271.58 करोड़ रुपये से बढ़कर 4695.24 करोड़ रुपये हो गया है। फर्नीचर व उससे संबंधित उत्पादों का निर्यात भी कई गुणा बढ़ा है। वर्ष 2017-18 में इसका निर्यात 1417.37 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2023-24 में 4352.33 करोड़ रुपये हो गया है।